14 церкважтѫ Божіѩ и [ф]разорявахъ ѩ. И
прѣуспѣвахъ въ Іудейство-то повече отъ
мнозина мои вьрстници въ родъ-тъ ми,
понеже бѣхъ по [х]голѣмъ ревнитель за [ц]о-
15 теческы-тѣ мои прѣданія. А когато Богъ,
[ч]който бѣ мя опрѣдѣлилъ отъ утробѫ-тѫ
на майкѫ ми, и призвалъ чрѣзъ своѩ-тѫ
16 благодать, благоволи, [ш]Да открые Сына
своего въ мене, [щ]да го проповѣдувамъ
между язычници-тѣ; отъ тойзи часъ [ы]не
17 ся допытахъ до плъть и кръвь, Нито [ь]въз-
лѣзохъ въ Іерусалимъ, при апостолы-тѣ
които бѣхѫ прѣди мене, но отидохъ въ
Арабіѩ, и пакъ ся върнѫхъ въ Да-
18 маскъ. Послѣ слѣдъ три години възлѣ-
зохъ въ Іерусалимъ, за да ся видѩ съ
Петра, и останѫхъ при него петнадесеть
19 дена; И [ѣ]другыго отъ апостолы-тѣ не ви-
20 дѣхъ освѣнъ [ю]Іакова брата Господня. А
това което ви пишѫ, [ѭ]ето прѣдъ Бога
21 *исповѣдувамъ* че не лъжѫ. [я]Послѣ дойдохъ
въ Сирійскы-тѣ и Киликійскы-тѣ страны;
22 И лично не бѣхъ познатъ [ѫ]на Іудейскы-
23 тѣ въ Христа [ѭ]церквы; А слушахѫ само,
че той който нѣкога ны гоняше, сега про-
повѣдува вѣрѫ-тѫ коѩ-то нѣкога разо-
24 ряваше. И славяхѫ Бога за мене.

ГЛАВА 2.

1 Послѣ, слѣдъ четиринадесеть години
[а]пакъ възлѣзохъ въ Іерусалимъ съ Вар-
навѫ, като зѣхъ съсъ себе си и Тита.
2 И то възлѣзохъ по откровеніе, та имъ
[б]прѣдложихъ евангеліе-то което проповѣ-
дувамъ между язычници-тѣ, особенно
прѣдъ знамениты-тѣ, [в]да не бы напраздно
3 да тичамъ или да съмъ тичалъ. Но нито
Титъ който бѣ съ мене, ако и да бѣше
Еллинъ, не бы принуденъ да ся обрѣже:
4 А тѣзи [г]лъжебратія, които сѫ ся вкрад-
нѫли и примѣкнѫли да съгледателству-
ватъ нашѫ-тѫ [д]свободѫ коѩто имамы
въ Христа Іисуса [е]за да ны поработятъ;
5 На тѣхъ ни на часъ не устѫпихмы да
имъ ся покоримъ, *и то* [ж]за да прѣбѫде
6 въ васъ евангелска-та истина. А за тѣзи
[з]които ся мнятъ че сѫ нѣщо, каквито и
да сѫ были нѣкога, менѣ ми е все едно;
[и](Богъ не гледа на лице-то на человѣка;)
защото [і]знаменити-тѣ не ми приложихѫ

[ф] Дѣян. 8; 3.
[х] Дѣян. 22; 3. 26; 9. Фил. 3; 6.
[ц] Іер. 9; 14. Мат. 15; 2. Мар. 7; 5.
[ч] Іса. 49; 1, 5. Іер. 1; 5. Дѣян. 9; 15. 13; 2. 22; 14, 15. Рим. 1; 1.
[ш] 2 Кор. 4; 6.
[щ] Дѣян. 9; 15. 22; 21. 25; 17, 18. Рим. 11; 13. Ефес. 3; 8.
[ы] Мат. 16; 17. 1 Кор. 15; 50. Ефес. 6; 12.
[ь] Дѣян. 9; 26.
[ѣ] 1 Кор. 9; 5.
[ю] Мат. 13; 55. Мар. 6; 3.
[ѭ] Рим. 9; 1.
[я] Дѣян. 9; 30.
[ѫ] 1 Сол. 2; 14.
[ѩ] Рим. 16; 7.

—

[а] Дѣян. 15; 2.
[б] Дѣян. 15; 12.
[в] Фил. 2; 16. 1 Сол. 3; 5.
[г] Дѣян. 15; 1, 24. 2 Кор. 11; 26.
[д] Гл. 3; 25. 5; 1, 13.
[е] 2 Кор. 11; 20. Гл. 4; 3, 9.
[ж] Ст. 14. Гл. 3; 1. 4; 16.
[з] Гл. 6; 3.
[и] Дѣян. 10; 34. Рим. 2; 11.
[і] 2 Кор. 12; 11.
[к] Дѣян. 13; 46. Рим. 1; 5. 11; 13. 1 Тим. 2; 7. 2 Тим. 1; 11.

7 нищо повече; Но напротивъ, [к]щомъ ви-
дѣхѫ че быхъ [л]повѣренъ *да проповѣду-*
вамъ евангеліе-то на необрѣзаны-тѣ, както
8 Петръ на обрѣзаны-тѣ, (Защото който [м]по-
дѣйствува въ Петра за апостолство ме-
жду обрѣзаны-тѣ, подѣйствува и въ мене
9 [н]за въ язычници-тѣ;) И като познахѫ да-
денѫ-тѫ менѣ [о]благодать Іаковъ и Кифа
и Іоаннъ, които ся виждахѫ че [п]сѫ стъл-
пове, дадохѫ десницы на общеніе на мене
и на Варнавѫ, за да идемъ ный въ языч-
10 ницы-тѣ, а тѣ въ обрѣзаны-тѣ. *Искахѫ*
само да помнимъ сиромасы-тѣ; [р]за което
и ся потрудихъ съ усердіе това исто-то
11 да сторіѩ. А [с]когато дойде Петръ въ Ан-
тіохіѩ, въспротивихъ му ся въ очи, за-
12 щото бѣше достоинъ за изобличеніе. По-
неже прѣди да дойдѫтъ нѣкои отъ Іа-
кова, [т]ядѣше наедно съ язычници-тѣ, а
когато дойдохѫ, свѣнѣше ся и странѣше
отъ тѣхъ, защото ся убоя отъ обрѣза-
13 ны-тѣ. И съ него заедно лицемѣрствувахѫ
и други-тѣ Іудеи; така що и Варнава
ся увлѣче въ това тѣхно лицемѣрство.
14 Но азъ, като видѣхъ че не постѫпватъ
право [у]по истинѫ-тѫ евангелскѫ, рѣкохъ
на Петра [ф]прѣдъ всичкы-тѣ: [х]Ако ты
който си Іудеинъ, живѣешь языческы а
не Іудейскы, защо принуждавашь языч-
15 ницы-тѣ да Іудействуватъ? [ц]Ный *которо*
смы природно Іудеи а не грѣшници [ч]отъ
16 язычницы-тѣ, Като [ш]знаемъ че не ся о-
правдава человѣкъ отъ дѣла-та на за-
конъ-тъ, тъкмо [щ]съ вѣрѫ-тѫ въ Іисуса
Христа, и ный повѣрувахмы въ Христа
Іисуса, за да ся оправдаемъ отъ вѣрѫ-тѫ
Христовѫ, а не отъ дѣла-та на законъ-тъ;
защото отъ дѣла-та на законъ-тъ [ы]нѣма
17 да ся оправдае никоя плъть. Но като
ищемъ да ся оправдаемъ чрѣзъ Христа,
ако смы ся намѣрили [ь]и ный грѣшни, то
Христосъ на грѣхъ-тъ ли е служитель?
18 Да не бѫде. Защото ако възсъздавамъ
пакъ онова което съмъ развалилъ, пока-
19 зувамъ себе си прѣстѫпникъ. Защото [ѣ]азъ
чрѣзъ законъ-тъ закону [ю]мьртъвъ быхъ,
20 [ѭ]да бѫдѫ живъ Богу. [я]Сраспѣхъ ся съ
Христа, и *сега* вече живѣѩ не азъ, но
Христосъ живѣе въ мене; а това що жи-
вѣѩ сега въ плъть, [ѫ]живѣѩ въ вѣрѫ-тѫ
на Сына Божія, [ѩ]който мя възлюби, и

[л] 1 Сол. 2; 4.
[м] Дѣян. 9; 15. 13; 2. 22; 21. 26; 17, 18. 1 Кор. 15; 10. Гл. 1; 16. Кол. 1; 29.
[н] Гл. 3; 5.
[о] Рим. 1; 5. 12; 3, 6. 15; 15. 1 Кор. 15; 10. Ефес. 3; 8.
[п] Мат. 16; 18. Ефес. 2; 20. Отк. 21; 14.
[р] Дѣян. 11; 30. 24; 17. Рим. 15; 25. 1 Кор. 16; 1. 2 Кор. 8; 9.
[с] Дѣян. 15; 35.
[т] Дѣян. 10; 28. 11; 3.
[у] Ст. 5.
[ф] 1 Тим. 5; 20.
[х] Дѣян. 10; 28. 11; 3.
[ц] Дѣян. 15; 10; 11.
[ч] Мат. 9; 11. Ефес. 2; 3, 12.
[ш] Дѣян. 13; 38, 39.
[щ] Рим. 1; 17. 3; 22, 28. 8; 3. Гл. 3; 24. Евр. 7; 18, 19.
[ы] Псал. 143; 2. Рим. 3; 20. Гл. 3; 11.
[ь] 1 Іоан. 3; 8, 9.
[ѣ] Рим. 8; 2.
[ю] Рим. 6; 14. 7; 4, 6.
[ѭ] Рим. 6; 11. 2 Кор. 5; 15. 1 Сол. 5; 10. Евр. 9; 14. 1 Пет. 4; 2.
[я] Рим. 6; 6. Гл. 5; 24. 6; 14.
[ѫ] 2 Кор. 5; 15. 1 Сол. 5; 10. 1 Пет. 4; 2.
[ѩ] Гл. 1; 4. Еф. 5; 2. Тит. 2; 14.